पाठ्यपुस्तकों में विषय सामग्री का पुनर्संयोजन

कोविड-19 महामारी को देखते हुए, विद्यार्थियों के ऊपर से पाठ्य सामग्री का बोझ कम करना अनिवार्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में भी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री का बोझ कम करने और रचनात्मक नज़रिए से अनुभवात्मक अधिगम के अवसर प्रदान करने पर ज़ोर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में, रा.शै.अ.प्र.प. ने सभी कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित करने की शुरुआत की है। इस प्रक्रिया में, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा पहले से ही विकसित कक्षावार सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखा गया है।

पाठ्य सामग्रियों के पुनर्संयोजन में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है —

- एक ही कक्षा में अलग-अलग विषयों के अंतर्गत समान पाठ्य सामग्री का होना;
- एक कक्षा के किसी विषय में उससे निचली कक्षा या ऊपर की कक्षा के समान पाठ्य सामग्री का होना;
- पाठ्य सामग्री की कठिनता के स्तर का उच्च होना;
- विद्यार्थियों के लिए सहज रूप से सुलभ पाठ्य सामग्री का होना, जिसे शिक्षकों के अधिक हस्तक्षेप के बिना, वे खुद से या सहपाठियों के साथ पारस्परिक रूप से सीख सकते हों;
- वर्तमान संदर्भ में अप्रासंगिक अथवा पुरानी अप्रचलित पाठ्य सामग्री का होना।

इस पुस्तिका में विषयवार सारणी बनाकर विभिन्न विषयों से हटायी गई पाठ्य सामग्रियों के बारे में सूचित किया गया है, जिन्हें आकलन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाना है।

© NCERT not to be republished

पुर्नसंयोजित पाठ्य सामग्री सूची

657 – पृथ्वी हमारा आवास – भूगोल

पाठ का नाम	पृष्ठ	हटाए गए विषय / अध्याय
पाठ 6 — पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप	41 से 48	पूरा अध्याय
पाठ 8 — भारतःजलवायु, वनस्पति तथा वन्यप्राणी	58 से 64	पूरा अध्याय

© NCERT not to be republished